آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

۷۸۶/۹۲

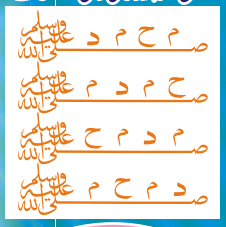

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

صلی اللہ علیہ وسلم م ح م د
صلی اللہ علیہ وسلم ح م د م
صلی اللہ علیہ وسلم م د م ح
صلی اللہ علیہ وسلم د م ح م

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलातुल मीमिल्अरबईन
दुरूदे चहल मीम

1

पेशकश

बमौक़ा रबीउलअव्वल शरीफ़ 1437 हि०
बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

बिस्मिल्लाहिर्रह़मानिर्रह़ीम

सुबह़ान क ला इलाह इल्लल्लाहु सुल्तान क या अल्लाहुल करीमु स़ल्लि व सल्लिम व बारिक बिक र मिकल अ़ज़ीमि व बिरह़मतिकद्दाइमति अ़ला सय्यिदी मख़्ज़नि क र मिक व ह़बीबिकल मकानि वल लामकानिल्लजी अअ़्तैतहू मक़ामम्महमूदवँ व ऐ़ने ह़यातिद्दारैनिलमुतख़ल्लिक़ि बिल्जूदि वन्नवालि व रह़मतिल्लिलआ़लमी न व अज़्मतिक व ख़ातमिन्न बीयीनल लजी वुलि द फ़ी मक्कतल मुकर्रमति व अअ़् ल न नुबूवतहू बिअ़ददि ह़ र फ़िल मीमि फ़ी स न ति अर बईन व ह़म्दिकल्लज़ी कुल्त फ़ी शानिही वमा रमै त इज़् रमै त व ला किन्नल्लाह रमा व रदत्त लहुश्शम्स व श क़्क़्त लहुल्क़ म र व अक़म्तहू बिल्मदीनतिल मुनव्वरति व जअ़ल्त वालिदैहि ख़ैरल वालिदी न व आलहू ख़ैरल आलि व अस़्ह़ाबहू ख़ैरल अस़्ह़ाबि व उम्म तहू ख़ैरल उममि व हुव सय्यिदुल्मुर्सली न नूरुकल मह़ब्बतु मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि व अ़ला वालिदैहि व कुल्लि आलिही व अहलि बैतिही व अस़्ह़ाबिही बिकुल्लि शअनिन जदीदिन इला अ बदिल आबादि।

अल्लाह के नाम से शुरूअ़ जो बड़ा मेहरबान निहायत रह़म वाला है।

पाकी है तेरी नहीं कोई मअ़बूद सेवाए अल्लाह के बादशाहत है तेरी ऐ करम वाले अल्लाह तू भेज दुरूद और सलाम और बरकत अपने करमे अ़ज़ीम के साथ और अपनी हमेशगी वाली रह़मत के साथ मेरे सरदार अपने करम के ख़ज़ाना पर और अपने उस मकानो ला मकाँ के ह़बीब पर जिन्हें तू ने अ़ता फ़रमाया मक़ामे मह़मूद और दोनों जहान की जान पर जो महक रहे हैं सख़ावत और नवाज़िश के साथ और सारे जहान की रह़मत पर और अपनी अ़ज़मत पर और उस तमाम नबियों के ख़ातम पर जो पैदा हुए मक्का मुकर्रमा में और एअ़लान फ़रमाया अपनी नुबूवत का ह़रफ़े मीम की अ़दद के मुताबिक़ चालीस साल में, अपनी उस तअ़रीफ़ पर जिनकी शान में फ़रमाया तूने (ऐ ह़बीब ﷺ) तुम ने नहीं फेंकी जब तुम ने फेंकी बल्कि अल्लाह ने फेंकी और फेरा तूने उनके लिये सूरज को और शक़ किया तूने उनके लिये चाँद को और क़ाएम फ़रमाया उन्हें मदीना मुनव्वरा में और बनाया तू ने उन के वालिदैन को तमाम वालिदैन में बेहतर और उन की आल को तमाम आल में बेहतर और उनके अस़्ह़ाब को तमाम अस़्ह़ाब में बेहतर और उनकी उम्मत को तमाम उम्मतों में बेहतर और वह तमाम रसूलों के सरदार तेरे नूरे मोहब्बत मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं और उनके वालिदैन पर और तमाम आल पर और तमाम अहले बैत पर और तमाम अस़्ह़ाब पर हर नई शान के साथ हमेशगी तौ़र पर।

नोटः जुम्ला ह़ुसूले मक़ासिद के लिये नक़्श तोह़फ़ए रूहानी को पेशे नज़र रखते हुए इस दुरूदे चहल मीम को जो भी ४०/७/३ बार पढ़ेगा कामयाबी ह़ासिल होगी और हर मुश्किल ह़ल होजाएगी जो शख़्स इस नक़्श को अपने पास रखे वह हर बला व मुसीबत से मह़फ़ूज़ रहेगा, मरीज़ इस नक़्श को पानी में डाल कर पिये तो शिफ़ा पाएगा।